महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

प्रो० कृष्ण कुमार सिंह / Prof. Krishna Kumar Singh
निदेशक / Director
हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र / Teaching Learning Centre for Hindi Studies (TLCHS)

चलभाष/Mobile : +9-940354261
ई-मेल/E-Mail : kks5260@gmail.com

पत्रांक : 091/TLCHS/2018/वि.व्या./37

दिनांक : 14.10.2019

सूचना

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा की विशेष व्याख्यान माला के अंतर्गत दिनांक **14 अक्टूबर, 2019** को **सायं 04 बजे तुलसी भवन, साहित्य विद्यापीठ के गालिब सभागार** में **प्रो. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'**, सेवानिवृत्त प्राचार्य, उपाधि पी.जी. कॉलेज, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश का **'जैन साहित्य में रामकथा'** विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल करेंगे।

उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी सादर आमंत्रित हैं।

(निदेशक)

प्रतिलिपि सूचनार्थ:

1. मा. कुलपति महोदय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
2. कुलसचिव महोदय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
3. वित्त अधिकारी महोदय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
4. लीला प्रभारी - विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड किए जाने हेतु।
5. संबंधित पत्रावली।

पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
Post- Hindi Vishwavidyalay, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtrra), INDIA
ई-मेल/E-Mail : tlchsmgahv@gmail.com वेबसाइट/Website : www.hindivishwa.org/tlchs

Scanned by CamScanner

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

ज्ञान शांति मैत्री

विशेष व्याख्यान

जैन साहित्य में रामकथा

कार्यक्रम स्थल : तुलसी भवन, साहित्य विद्यापीठ, गालिब सभागार

दिनांक : 14.10.2019 **समय : सायं 04 बजे से**

कार्यक्रम विवरण

दीप प्रज्ज्वलन	:	सायं 04 : 00 से 04 : 05 तक
विश्वविद्यालय का कुलगीत	:	सायं 04 : 05 से 04 : 10 तक
अतिथियों का स्वागत	:	सायं 04 : 10 से 04 : 15 तक
स्वागत वक्तव्य	:	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, निदेशक, हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
मुख्य वक्तव्य	:	प्रो. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण', सेवानिवृत्त प्राचार्य, उपाधि पी.जी. कॉलेज, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश।
अध्यक्षीय उद्बोधन	:	प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल, मा. कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा।
संचालन	:	डॉ. संजय कुमार तिवारी, रिसर्च एसोशिएट, हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।
आभार ज्ञापन	:	डॉ. रूपेश कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा।

Scanned by CamScanner